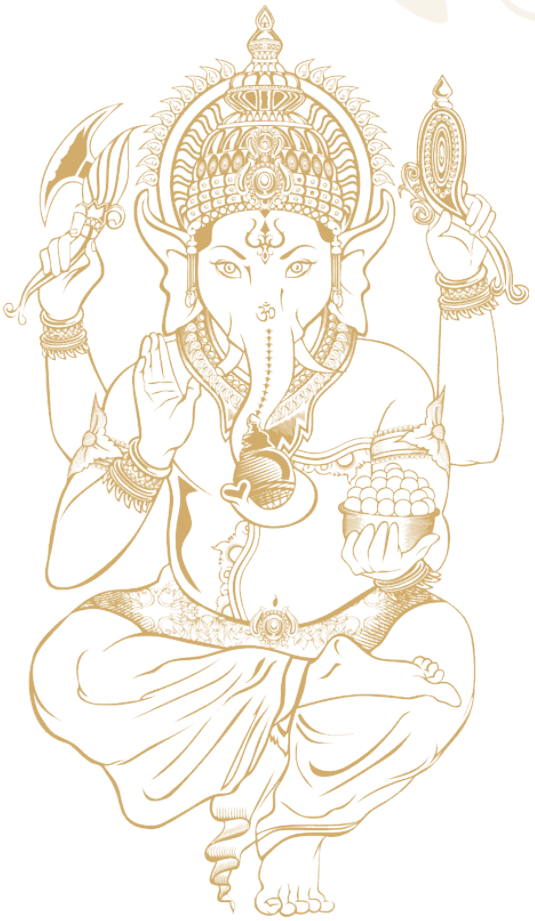

Ajay sharma

Raksha jha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120505706

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/11/1989	जन्म तिथि	16-17/02/1998
सोमवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 19:10:00	जन्म समय	04:40:00 घंटे
घटी 31:29:26	जन्म समय(घटी)	54:13:30 घटी
India	देश	India
Maheshwar	स्थान	Datia
22:11:00 उत्तर	अक्षांश	25:41:00 उत्तर
75:40:00 पूर्व	रेखांश	78:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:20	स्थानिक संस्कार	-00:16:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:34:13	सूर्योदय	06:51:00
17:48:10	सूर्यास्त	18:09:46
23:36:43	के.पी. अयनांश	23:43:37

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 3मा 22दि	13:52:39	वृष	लग्न	धनु	26:09:40	मंगल 0वर्ष 11मा 29दि
गुरु	20:30:53	तुला	सूर्य	कुंभ	04:21:00	गुरु
28/02/2017	20:15:09	मक	चंद्र	तुला	04:46:08	15/02/2017
28/02/2033	07:57:25	तुला	मंगल	कुंभ	24:01:29	15/02/2033
गुरु 18/04/2019	17:55:55	तुला	बुध	कुंभ	00:04:43	गुरु 05/04/2019
शनि 29/10/2021	17:08:31	मिथु व	गुरु	कुंभ	09:15:48	शनि 17/10/2021
बुध 04/02/2024	07:33:18	धनु	शुक्र	धनु	27:02:01	बुध 23/01/2024
केतु 10/01/2025	16:09:16	धनु	शनि	मीन	23:07:16	केतु 28/12/2024
शुक्र 11/09/2027	28:11:04	मक व	राहु	सिंह	16:50:10	शुक्र 29/08/2027
सूर्य 29/06/2028	28:11:04	कर्क व	केतु	कुंभ	16:50:10	सूर्य 17/06/2028
चन्द्र 29/10/2029	09:04:40	धनु	हर्ष	मक	16:04:56	चन्द्र 17/10/2029
मंगल 05/10/2030	16:34:31	धनु	नेप	मक	06:57:30	मंगल 23/09/2030
राहु 28/02/2033	21:27:37	तुला	प्लूटो	वृश्चि	14:11:34	राहु 15/02/2033

लग्न-चलित

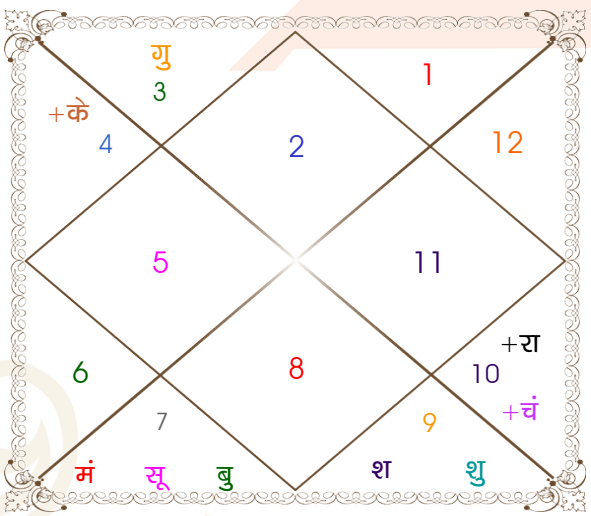

लग्न-चलित

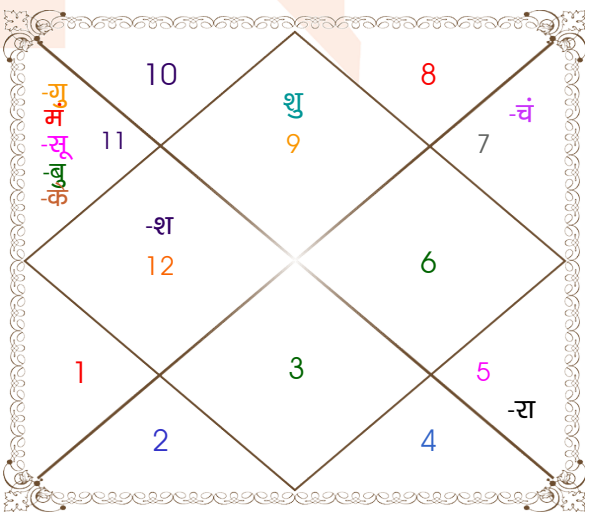

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

।रंल ोंतउं का वर्ग मार्जार है तथा Raksha jha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।रंल ोंतउं और Raksha jha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।रंल ोंतउं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Raksha jha मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

।रंल ोंतउं तथा Raksha jha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।